माध्यमिक स्तर

हिन्दुस्तानी संगीत

सिद्धान्त (242)

1

विद्याधनम् सर्वधनं प्रधानम्

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

आईएसओ 9001 : 2000 प्रमाणित

(मा.सं.वि.मं. भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)

ए-24-25 इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201301 (उ. प्र.)

वेबसाइट : www.nios.ac.in टोल फ्री नं. - 18001809393

सलाहकार-समिति

- अध्यक्ष
  राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा
- निदेशक (शैक्षिक)
  राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

पाठ्यक्रम-समिति

- डॉ. कृष्णा बिष्ट *(अध्यक्ष)*
  प्रोफेसर (सेवानिवृत्त)
  पूर्व संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष
  संगीत एवं ललित कला विभाग,
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. (स्व.) राकेश बाला सक्सेना
  एसोसिएट प्रोफेसर,
  विभागाध्यक्ष संगीत विभाग
  श्यामाप्रसाद मुखर्जी कॉलेज
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. मधुबाला सक्सेना
  प्रोफेसर (सेवानिवृत्त)
  पूर्व विभागाध्यक्ष, संगीत एवं नृत्य विभाग;
  कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
  कुरूक्षेत्र, हरियाणा
- डॉ. मल्लिका बनर्जी
  एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत विभाग
  इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. सुनीरा कासलीवाल व्यास
  प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष
  संगीत एवं ललित कला संकाय
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. रिचा जैन
  पूर्व सहायक प्रोफेसर,
  भारती कॉलिज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. कमलेश बाला सक्सेना
  एसोसिएट प्रोफेसर, (सेवानिवृत्त)
  विभागाध्यक्ष संगीत विभाग
  गोकुलदास स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय,
  बरेली (उ. प्र.)
- श्रीमती संचिता भट्टाचार्य
  वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एवं पाठ्यक्रम समन्वयक
  रा.मु.वि.शि. संस्थान, नोएडा

पाठ-लेखक

- डॉ. मधुबाला सक्सेना
  प्रोफेसर (सेवानिवृत्त)
  पूर्व विभागाध्यक्ष, संगीत एवं नृत्य विभाग;
  कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा
- डॉ. मल्लिका बनर्जी
  एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत विभाग
  इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. सुभाष रानी चौधरी
  प्रधानाचार्य (सेवानिवृत्त), गवर्नमेंट स्नातकोत्तर कॉलेज,
  फरीदाबाद, हरियाणा
- डॉ. रिचा जैन,
  पूर्व सहायक प्रोफेसर,
  भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. कमलेश बाला सक्सेना
  एसोसिएट प्रोफेसर, (सेवानिवृत्त)
  विभागाध्यक्ष संगीत विभाग
  गोकुलदास स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय,
  बरेली (उ.प्र.)
- डॉ. (स्व.) रमा सर्राफ़
  एसोसिएट प्रोफेसर,
  संगीत विभाग, दौलत राम कॉलेज,
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. (स्व.) राकेश बाला सक्सेना
  एसोसिएट प्रोफेसर,
  विभागाध्यक्ष संगीत विभाग संगीत विभाग
  श्यामाप्रसाद मुखर्जी कॉलिज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

संपादक मंडल

प्रो. कृष्णा विष्ट
संकायाध्यक्ष (से.नि.) संगीत तथा ललित कला विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी
प्रोफेसर
संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ रिचा जैन
पूर्व सहायक प्रोफेसर
भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुवादक

डॉ रिचा जैन
पूर्व सहायक प्रोफेसर
भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डी.टी.पी. कार्य

शिवम् ग्राफिक्स, रानी बाग दिल्ली-110034

आपके साथ दो शब्द

प्रिय शिक्षार्थी

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यमिक स्तर पर हिंदुस्तानी संगीत के पाठ्यक्रम में आपका स्वागत है और आशा करते हैं कि आप मुक्त तथा दूरस्थ विद्यालयी शिक्षा प्रणाली को पसंद करेंगे। संगीत, लय तथा ताल के माध्यम से अपने भावों को प्रगट करने का एक रोचक माध्यम है। यह पाठ्यक्रम हिंदुस्तानी संगीत की गहरी दृष्टि प्रदान करेगा तथा इसके मूलभूत विषयों के साथ व्यक्तित्व की उन्नति में सहायक होगा। हिन्दुस्तानी संगीत के इस पाठ्यक्रम में सिद्धांत तथा प्रयोग शामिल होंगे और सिद्धांत के लिए 40 अंक तथा प्रयोग के लिए 60 अंक रखे गए हैं। पाठ्यक्रम विशेष रूप से आपके अनुकूल बनाया गया है, जो सहजता से समझने योग्य है। इसे छह स्वतंत्र भागों में विभाजित किया गया है।

इस पाठ्यक्रम से संगीत के सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक पक्षों का ज्ञान होगा जिसमें संगीत, इतिहास एवं भारतीय तकनीकी शब्दावली पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, आप इसमें अलग-अलग संगीतज्ञों तथा उनके संगीत में अवदान के विषय में जानेंगे। इनसे आपको संगीत संबंधी अलग-अलग बंदिशों को समझने में सहायता मिलेगी। शास्त्रीय तथा सुगम संगीत के समन्वय से आप शास्त्रीय, सुगम संगीत तथा ताल, अलंकार को समझ सकेंगे। प्रायोगिक संगीत की कक्षाएं आपके अध्ययन केन्द्र पर ली जाएँगी।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित ''स्वयं'' प्लेटफॉर्म के अंतर्गत ''मूक्स'' (मॉर्सन ओपन ऑनलाईन कोर्स) को स्थापित करने में संस्थान को विशेष खुशी है। अनेक विषयों में माध्यमिक स्तर के विषयों का वीडियो तथा अंतक्रिया की सुविधा भी 'स्वयं' के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। आप www.swayam.gov वेबसाइट पर जाकर नामांकन कर सकते हैं।

एनआईओएस सभी शैक्षिक वीडियो को (24x7) मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा स्थापित स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल पर (2027 से 2032), दोपहर 3.00 से सायं 5.00 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार) संवाद के द्वारा सजीव प्रसारण करता है।

हम आशा करते हैं कि आप हमारे साथ हिन्दुस्तानी संगीत सीखने में खुशी महसूस करेंगे। इस सम्बन्ध में हम आपके सुझावों को आमंत्रित करते हैं। कृपया संलग्न फॉर्म में अपने सुझाव दीजिए।

शुभकामनाओं सहित।

पाठ्यक्रम समन्वय समिति

अपने पाठ कैसे पढ़ें

हिन्दुस्तानी संगीत विषय के सिद्धांत की इस पाठ्य सामग्री को विशेष रूप से आपकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है। आप स्वतंत्र रूप से स्वयं पढ़ सकें इसलिए इसे एक प्रारूप में ढाला गया है। निम्नलिखित संकेत आपको सामग्री का सर्वोत्तम उपयोग करने का तरीका बताएंगे। दिए गए पाठों को कैसे पढ़ना है, आइए जानें-

पाठ का शीर्षक : इसे पढ़ते ही आप अनुमान लगा सकते है कि पाठ में क्या दिया जा रहा है। इसे पढ़िए।

भूमिका : यह भाग आपको पूर्व जानकारी से जोड़ेगा और दिए गए पाठ की सामग्री से परिचित कराएगा। इसे ध्यानपूर्वक पढ़िए।

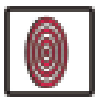

उद्देश्य : प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप इस पाठ के उद्देश्यों को प्राप्त करने में समर्थ हो जाएंगे। इन्हें याद कर लीजिए।

पाठगत प्रश्न : इसमें एक शब्द अथवा एक वाक्य में पूछे गए प्रश्न हैं तथा कुछ वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। ये प्रश्न पढ़ी हुई इकाई पर आधारित हैं। इनका उत्तर आपको देते रहना है। इसी से आपकी प्रगति की जाँच होगी। ये सवाल हल करते समय आप हाथ में पेंसिल रखिए और जल्दी-जल्दी सवालों के समाधान ढूँढ़ते रहिए और अपने उत्तरों की जाँच पाठ के अंत में दी गई उत्तरमाला से मिलाइए। उत्तर ठीक न होने पर इकाई को पुनः पढ़िए।

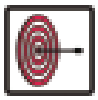

आपने क्या सीखा : यह पूरे पाठ का संक्षिप्त रूप है-कहीं यह बिंदुओं के रूप में है, कहीं आरेख के रूप में तो कहीं प्रवाह चार्ट के रूप में। इन मुख्य बिंदुओं का स्मरण कीजिए। यदि आप कुछ अपने मतलब की मिलती-जुलती नई बातें जोड़ना चाहते हैं तो उन्हें भी वहीं बढ़ा सकते हैं।

पाठांत प्रश्न : पाठ के अंत में दिए गए लघु उत्तरीय तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। इन्हें आप अलग पृष्ठों पर लिखकर अभ्यास कीजिए। यदि चाहें तो अध्ययन केंद्र पर अपने शिक्षक या किसी उचित व्यक्ति को दिखा भी सकते हैं और उन पर नए विचार ले सकते हैं।

उत्तरमाला : आपको पहले ही बताया जा चुका है इसमें पाठगत प्रश्नों और क्रियाकलापों के उत्तर दिए जाते हैं। अपने उत्तरों की जाँच इस सूची से कीजिए।

शब्दावली: पाठों में आए कठिन शब्दों को प्रत्येक पाठ के अंत में दिया गया है। इन शब्दों की व्याख्या स्वयं करें।

विषय-सूची

क्र.सं.	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दुस्तानी संगीत का परिचय	1
2.	राग के तत्व	15
3.	ताल के तत्व	24
4.	विधाओं का अध्ययन - ध्रुपद तथा धमार	32
5.	हिन्दुस्तानी संगीत की स्वर-लिपि पद्धति	38
6.	सामवेद के संदर्भ में वेदों का संक्षिप्त अध्ययन	44
7.	संगीत रत्नाकर का संक्षिप्त परिचय	53
8.	संगीत पारिजात में निहित विषय-सामग्री का संक्षिप्त अध्ययन	65
9.	संगीत के क्षेत्र में महान विभूतियों की जीवनी और उनका योगदान- राजा मान सिंह तोमर, तानसेन, सदारंग-अदारंग	72
10.	हिन्दुस्तानी संगीत के प्रणेता- पं. विष्णु नारायण भातखंडे तथा पं. विष्णु दिसंबर, पलुस्कर	82
(i)	पाठ्यक्रम	(i-iii)
(ii)	प्रश्नपत्र का प्रारूप	(iv)
(iii)	नमूना प्रश्नपत्र	(v-vi)
(iv)	अंक योजना	(vii-x)